वर्तमान जनशक्ति (दिनांक: 30.06.2015) तक :

क्रम संख्या:	विभाग:	कर्मचारी:
1	मुख्य अधिशासी अधिकारी कार्यालय	02
2	सिविल विभाग	06
3	वाणिज्य विभाग	10
4	प्रतिनियुक्ति पर	10
5	विद्युत् विभाग	11
6	अभियन्त्रिकी विभाग	01
7	वित एवं लेखा विभाग	05
8	फाइबर विकाश एवं प्राप्ति विभाग	05
9	उपकरण विभाग	03
10	यान्त्रिकी विभाग	48
11	चिकित्सा विभाग	06
12	मानव संसाधन एवं कर्मचारी सेवा विभाग	18
13	प्रोसेस विभाग	60
14	सुरक्षा विभाग	3
कुल:		188

सेवानिवृत कर्मचारियों को बिदाई:

नाम:	पदनाम:	कार्यग्रहण तिथि:	जन्मतिथि:	सेवानिवृत:
1. श्री एन.मेरी लोंगकुमार	पर्यवेक्षक (प्रशासन)	31.01.1978.	04.01.1957.	31.01.2015.
2. " कोरानुंगबा	मजदूर	08.08.1988.	13.03.1957.	31.03.2015.
3. " पी.के.बोरठकुर	मजदूर	06.08.1987.	01.05.1957.	30.04.2015.
4. " पूलाबंगर आओ	वैल्डर	11.04.1980.	04.04.1957.	30.04.2015.

संस्थान के सभाकक्ष में बिदाई समारोह के दौरान मुख्य अधिशासी महोदय एवं महा प्रबन्धक (परियोजना) सहित समस्त वरिष्ठ अधिकारीगणों की उपस्थिति में उक्त कर्मचारियों की सेवाओं को स्मरण करते हुए हार्दिक शुभकामानाएं व्यक्त की गई, माननीय मुख्य अधिशाषी महोदय श्री मोहन झा द्वारा आकर्षक उपहार प्रदान किये गए।

नहीं रहे: (OBITUARY)

1. स्वर्गीय कृष्णदेव यादव मजदूर ग्रेड – 1
जन्म दिनांक: 02.01.1959
निधन दिनांक: 30.05.2015
परिवार सदस्य: पत्नी, दो अविवाहित पुत्र एवं तीन विवाहित पुत्रियाँ

2. स्वर्गीय इमकोंग एन्गबा मजदूर
जन्म दिनांक: 14.02.1965.
निधन दिनांक: 06.06.2015
परिवार सदस्य : पत्नी एवं दो विवाहित पुत्रियाँ

MAPATONG NUKJITONG (IN AO LANGUAGE)

TEJANGJA LEMSA	MAPANGDAKZUK
MAPATONG MEZUNG ANOGO	29 JAN. 2015
TONGTI MAPATEM TEMELABA AGUTSUBA	SEP.2015
MAPATONG SEMZUKTSU YIMLABA ANOGO	OCT. 2016
YOKYAYOKOTSU ADOKTETTSU YIMLABA ANOGO	NOV. 2016

त्रिभाषीय वाक्य:

क्रम संख्या:	हिन्दी:	अंग्रेजी:	आओ:(क्षेत्रीय भाषा)
1.	आपका नाम क्या है?	WHAT IS YOUR NAME?	NA TENUNG SHIBA?
2	आप कितने भाई बहिन हैं?	HOW MANY BROTHERS & SISTERS DO YOU HAVE?	NA ADIANU KWI LIR?

एनपीपीसीएल *NPPCL

ओसॉग *OSANG

(समाचार)

एनपीपीसीएल की त्रैमासिक गृह पत्रिका (अंक 01 अप्रैल - जून 2015)

QUARTERLY HOUSE JOURNAL OF NPPCL, TULI, (NAGALAND)

मुख्य अधिशासी अधिकारी का सन्देश

प्रिय साथियों,

त्रैमासिक समाचार पत्रिका "एनपीपीसीएल ओसॉग" के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करते हुए मुझे अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। इस समय जबकि हमारे संस्थान का पुनरोद्धार कार्य चरमोत्कर्ष पर है हम चाहते है कि, संस्थान की तात्कालिक गतिविधियों एवं कार्यकलापों को जन-मानस के समक्ष अद्यतन जानकारी के साथ उपलब्ध कराया जाय, हमारा संकल्प है कि, प्रत्येक कार्य में पारदर्शिता की झलक दिखाई पड़े, तभी तो लोकउद्यम का वास्तविक अर्थ साकार हो सकेगा।

समस्याएँ सबके सामने आती हैं, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जो लोग जीवन में सफल होते हैं और बड़े काम कर जाते हैं, इसलिए नहीं कि उनके जीवन में समस्यायें नहीं आती बल्कि वे जानते है कि हर समस्या का समाधान होता है। बस आवश्यकता है इच्छाशक्ति की। अंग्रेजी मे एक कहावत है " Impossible spells I' M possible" अतएव मेरा विश्वास है कि हम खतरों से इतना भी न डरें कि डरपोक दिखने लगें, पर अकारण खतरा मोल लेने की मूर्खता भी न करे।

यह प्रसन्नता का विषय है कि, इस पत्रिका का प्रकाशन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अनुभूति तथा उद्योग मंत्रालय एवं वित्त मंत्रालय के दिशानिर्देशों के आलोक में किया जा रहा है।

मुश्किलें दिल के इरादे आजमाती हैं,
स्वप्न के परदे निगाहों से हटाती हैं"।
होसला मत हार गिरकर ओ मुसाफिर,
ठोकरें इन्सान को चलना सिखाती हैं" ।

शुभकामनाओं सहित,

(मोहन झा)
मुख्य अधिशासी अधिकारी

नागालैंड पल्प एण्ड पेपर कम्पनी लिमिटेड

संक्षिप्त प्रष्ठभूमि :

नागालैंड पल्प एण्ड पेपर कम्पनी लि. की स्थापना 14 सितम्बर 1971 को हिन्दुस्तान पेपर कारपोरेशन लि. तथा नागालैंड सरकार के संयुक्त तत्वधान में क्रमश: 7:1 के अनुपात में अंशधारित के आधार पर की गई थी। कुल 83.73 करोड़ रु. के पूंजी निवेश के साथ इसमें जुलाई 1982 से व्यावसायिक उत्पादन शुरु हुआ। यह प्रतिदिन 100 मी.टन लेखन, मुद्रण कागज का उत्पादन करने में सक्षम थी। नागालैंड के मोकोकचुंग जिले के तुली नामक स्थान पर स्थित यह प्लांट केन्द्रीय सरकार का एक मात्र भारी उद्योग है।

नागालैंड पल्प एण्ड पेपर कम्पनी लिमिटेड अपने स्थापना समय से ही विविध कारणों से अपनी क्षमता के अनुकूल उत्पादन करने में अक्षम रही, जिसमें से नागालैंड विद्युत परिषद से बिजली की बाधित आपूर्ति और अपनी बिजली बनाने में गड़बड़ी के कारण क्षमता का लगभग 15% ही उपयोग एक महत्वपूर्ण कारण रहा है।

इसका निबल मूल्य ऋणात्मक (Net Worth became negative) हो जाने के कारण कम्पनी को दो बार (अप्रैल 1992 तथा मई 1998) बी. आई.एफ. आर. के समक्ष प्रस्तुत करना पड़ा। पहली बार भारत सरकार नें 01.04.1993 से इसकी पूंजीगत पुनर्रसंरचना स्वीकार की जिससे यह नवम्बर, 1995 में बी.आई.एफ.आर.से बाहर आगई।

लेकिन निरन्तर प्रचालन घाटे के कारण 1992 के अक्टूबर से नागालैंड मिल की उत्पादन गतिविधियाँ बंद करनी पड़ी। उत्पादन गतिविधियाँ न होने और किसी प्रकार के आर्तरिक संसाधनों के आभाव में मार्च, 1997 में इसका घाटा समता अंश पूंजी से अधिक हो गया और इसे मई, 1998 में दोबारा बी.आई.एफ.आर. के समक्ष प्रस्तुत किया गया। तमाम संभावनाओं को देखने के बाद बी.आई.एफ.आर नें 4 मार्च, 2002 को इसे समेट लेने का निर्णय पारित कर दिया।

वर्तमान स्थति :

उद्योग विभाग से सम्बन्धित संसदीय स्थाई समिति नें 15 अप्रैल, 2002 को अपनी एक बैठक में इसे पुनर्जीवित करने के लिए पहल की और समिति के निर्देशों के अनुसार :

- नागालैंड सरकार, नागालैंड पल्प एण्ड पेपर कम्पनी लिमिटेड के प्रबंधन मंडल नें अप्रैल, 2002 में बी.आई.एफ.आर. के समेट लेने के निर्णय के विरुद्ध ए.ए.आई.एफ.आर. के समक्ष अपील की।
- हिन्दुस्तान पेपर कारपोरेशन नें भी एक प्रतिष्ठित सलाहकार नियुक्त करके नागालैंड पल्प एण्ड पेपर कम्पनी लिमिटेड के पुनर्रजीवन के लिए एक विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करके दिसम्बर 2002 में भारी उद्योग विभाग में भारत सरकार के विचारार्थ प्रस्तुत किया। भारी उद्योग विभाग के जुलाई, 2004 में मिले निर्देशानुसार विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन को अद्यतन करके दिसम्बर, 2004 में पुन: भारी उद्योग विभाग में प्रस्तुत किया गया तदानुसार वर्ष 2007 में इस कम्पनी के पुनरोद्धार हेतु 553.44 करोड़ रु. की स्वीकृति मिलने के उपरान्त भी दुर्भाग्यवश पुनरोद्धारकार्य सम्भव नहीं हो सका। पुन: 4 जुलाई 2013 को नागालैंड पल्प एण्ड पेपर कम्पनी लि.का पुनरोद्धारकार्य दो चरणों में पूरा करने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई। जिसके अन्तर्गत प्रथम चरण में 489 करोड़ रु. का प्रावधान है। प्राप्त सूचनाओं के अनुसार वर्तमान में लगभग सभी निविदाओं का कार्य संपन्न होकर पुनरोद्धारकार्य निर्बाध गति से प्रगति की ओर अग्रसर है। इस दिशा में परियोजना ख र्च (पैकेज) के अनुसार जारी किये गए कार्य आदेशों का विवरण निम्नानुसार है।

क्रम संख्या:	विभाग:	अनुबन्धकर्ता:	परियोजना खर्च एवं कार्य की वर्तमान स्थति :
1.	डिमोलिसन	साईं रेट्रो फैबस	515 लाख (कार्य प्रगति पर)
2.	सिविल एवं संरचनात्मक कार्य	गेनन डंकनले एण्ड कम्पनी लि.	7683 लाख (कार्य प्रगति पर)
3.	पेपर मशीन	सर्वल इंजीनियरिंग	5420 लाख (कार्य प्रगति पर)
4.	मिट्टी सम्बन्धी जाँच	सी.ई. टेस्टिंग क. प्राइवेट लि.	13.42 लाख (कार्य संम्पन्न)
5.	पॉवर ब्लॉक	चीमा बॉयलर्स	6113 लाख (कार्य प्रगति पर)
6.	33 के.वी. पॉवर स्टेशन	टी. एण्ड टी. प्रोजेक्ट लिमिटेड.	150 लाख (कार्य प्रगति पर)
7.	कास्टीसाईजिंग	हिंदुस्तान डार अलीवर (एच.डी.ओ.)	43.62 लाख (कार्य प्रगति पर)

एनपीपीसीएल बोर्ड के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव :

क्रम संख्या:	परियोजना का नाम:
1.	पल्प मिल एवं रिकवरी बॉयलर हेतु
2..	इवोपरेटर प्लान्ट हेतु
3.	क्लोरिनडाई ऑक्साइड प्लान्ट हेतु
4.	वाटर ट्रीटमेंट प्लान्ट हेतु

मूल्यांकन की स्थति में :

क्रम संख्या:	परियोजना;
1.	वेट लैप मशीन
2.	चिप्पर
3.	इफ्लुएन्ट ट्रीटमेंट
4.	बी.ओ.पी. (टी.सी.ई. द्वारा कार्य प्रारंभ करने हेतु)

माननीय केन्द्रीय उद्योग मंत्री का पदार्पण :

माननीय केन्द्रीय भारी उद्योग मन्त्री श्री अनंत जी. गीते दिनांक : 10.02.2015 को नागालैंड पल्प एण्ड पेपर कम्पनी के दौरे पर पधारे। अध्यक्ष सह प्रबन्ध निदेशक हिन्दुस्तान पेपर कारपोरेशन श्री एम. वी. नरसिम्हा राव, मुख्य अधिशासी अधिकारी नागालौंड पल्प एण्ड पेपर कम्पनी लि. श्री मोहन झा एवं महा प्रबन्धक (परियोजना) श्री नब कुमार घोष सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों एवं पधाधिकारियों द्वारा माननीय मंत्री महोदय की अगवानी की गई। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में नागालैंड पल्प एण्ड पेपर कम्पनी का पुनरोद्धार कार्य अपनी चर्मसीमा पर है।

अपने भ्रमण के दौरान माननीय मंत्री महोदय के करकमलों द्वारा नागालैंड पल्प एण्ड पेपर कम्पनी लि. के लिए (8.5 मेगावाट की क्षमता वाले) एक विद्युत संयंत्र का शिलान्यास किया गया। मंत्री महोदय ने नागालैंड पल्प एण्ड पेपर कम्पनी लि. (जोकि लगभग 22 वर्षों से रुग्णावस्था में है) के पुनरोद्धार हेतु 679/- करोड़ रु. की स्वीकृति की पुष्टि करते हुए कम्पनी के तकनिकी भवन के समक्ष स्थित पार्क में एक रॉयल प्लान्ट का पौधारोपण भी किया।

मंत्री महोदय ने कम्पनी के पुनरोद्धार के प्रथम चरण में 600 एवं द्वितीय चरण में 750 बेरोजगारों को रोजगार प्रदान किये जाने की सम्भावना व्यक्त की।

अंत में माननीय मंत्री महोदय ने नागालैंड पल्प एण्ड पेपर कम्पनी लि. के पुनरोद्धार के लिए भारत सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए उसकी सफलता हेतु हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त की।